Unit-3 Part 2

प्र-(03) Describe the development of the main principal Electricity act & Electricity supply act.

উত্তর- (03) ভারতে বিদ্যুৎ শিল্পের প্রথম বেসরকারি উদ্যোগ ছিল ১৮৮২ সালে কলকাতায় স্থাপিত ৫৭৫ কিলোওয়াট ক্ষমতার একটি তাপবিদ্যুৎ কেন্দ্র। পরবর্তী সময়ে বোম্বাই, মাদ্রাজ ও অন্যান্য বড় শহরে বেসরকারি সংস্থা বিদ্যুৎ সরবরাহ শুরু করে। স্বাধীনতার পর বিদ্যুৎ শিল্প দ্রুত সম্প্রসারিত হয়। বিদ্যুৎ সরবরাহ ও ব্যবহার নিয়ন্ত্রণের জন্য ১৯৪৮ সালে Electricity supply act এবং ১৯৫৬ সালে Electricity act প্রণয়ন করা হয়।

Unit-3 Part 2

Scanned with CamScanner

Unit-3 Part 2

প্র- (03) Describe the main provisions of the Indian Electricity act & Electricity supply act.

উত্তর- (03) ভারতে বিদ্যুৎ শিল্পের বেসরকারি উদ্যোগ ১৮৮২ সালে কলকাতায় স্থাপিত ৫৭৫ কিলোওয়াট ক্ষমতার একটি তাপবিদ্যুৎ কেন্দ্র। পরবর্তী সময়ে বোম্বাই, মাদ্রাজ ও অন্যান্য বড় শহরে বেসরকারি সংস্থা বিদ্যুৎ সরবরাহ শুরু করে। স্বাধীনতার পর বিদ্যুৎ শিল্প দ্রুত সম্প্রসারিত হয়। বিদ্যুৎ সরবরাহ ও ব্যবহার নিয়ন্ত্রণের জন্য ১৯৪৮ সালে Electricity supply act এবং ১৯৫৬ সালে Electricity act প্রণয়ন করা হয়।

Scanned with CamScanner

Unit-3 Part 2

প্র- (03) Describe the main provisions of the Indian Electricity act & Electricity supply act.

উত্তর- (03) ভারতে বিদ্যুৎ শিল্পের বেসরকারি উদ্যোগ ১৮৮২ সালে কলকাতায় স্থাপিত ৫৭৫ কিলোওয়াট ক্ষমতার একটি তাপবিদ্যুৎ কেন্দ্র। পরবর্তী সময়ে বোম্বাই, মাদ্রাজ ও অন্যান্য বড় শহরে বেসরকারি সংস্থা বিদ্যুৎ সরবরাহ শুরু করে। স্বাধীনতার পর বিদ্যুৎ শিল্প দ্রুত সম্প্রসারিত হয়। বিদ্যুৎ সরবরাহ ও ব্যবহার নিয়ন্ত্রণের জন্য ১৯৪৮ সালে Electricity supply act এবং ১৯৫৬ সালে Electricity act প্রণয়ন করা হয়।

Scanned with CamScanner

Unit-3 Part 2

প্র- (03) Describe the main provisions of the Indian Electricity act & Electricity supply act.

উত্তর- (03) ভারতে বিদ্যুৎ শিল্পের বেসরকারি উদ্যোগ ১৮৮২ সালে কলকাতায় স্থাপিত ৫৭৫ কিলোওয়াট ক্ষমতার একটি তাপবিদ্যুৎ কেন্দ্র। পরবর্তী সময়ে বোম্বাই, মাদ্রাজ ও অন্যান্য বড় শহরে বেসরকারি সংস্থা বিদ্যুৎ সরবরাহ শুরু করে। স্বাধীনতার পর বিদ্যুৎ শিল্প দ্রুত সম্প্রসারিত হয়। বিদ্যুৎ সরবরাহ ও ব্যবহার নিয়ন্ত্রণের জন্য ১৯৪৮ সালে Electricity supply act এবং ১৯৫৬ সালে Electricity act প্রণয়ন করা হয়।

Scanned with CamScanner

Unit-3 Part 2

প্র- (03) Describe the main provisions of the Indian Electricity act & Electricity supply act.

উত্তর- (03) ভারতে বিদ্যুৎ শিল্পের বেসরকারি উদ্যোগ ১৮৮২ সালে কলকাতায় স্থাপিত ৫৭৫ কিলোওয়াট ক্ষমতার একটি তাপবিদ্যুৎ কেন্দ্র। পরবর্তী সময়ে বোম্বাই, মাদ্রাজ ও অন্যান্য বড় শহরে বেসরকারি সংস্থা বিদ্যুৎ সরবরাহ শুরু করে। স্বাধীনতার পর বিদ্যুৎ শিল্প দ্রুত সম্প্রসারিত হয়। বিদ্যুৎ সরবরাহ ও ব্যবহার নিয়ন্ত্রণের জন্য ১৯৪৮ সালে Electricity supply act এবং ১৯৫৬ সালে Electricity act প্রণয়ন করা হয়।

Scanned with CamScanner

[illegible] कार्यशालाओं [illegible] अपने सम्बन्धित विषय के अतिरिक्त अध्यापक को विद्यालय से बाहर आयोजित [illegible] सेमिनार तथा कार्यशालाओं में भी यथासंभव भाग लेने का प्रयत्न करना चाहिए। इनका आयोजन शिक्षा महाविद्यालय, [illegible] सेवा विभागों, विश्वविद्यालयों, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषदों (SCERT), राज्य शिक्षा संस्थान, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT) तथा गणित शिक्षक संघों द्वारा होता रहता है।

③ रिफ्रेशर कोर्स तथा ग्रीष्मकालीन शिविर :-
(Refresher Courses and Summer Institution)

अपने व्यावसायिक वृद्धि हेतु अध्यापकों को राज्य तथा सरकारी एवं एस.सी.ई.आर.टी., एन.सी.ई.आर.टी., शिक्षा महाविद्यालयों आदि के तत्वावधान में आयोजित सभी वर्षों से सम्बंधित रिफ्रेशर तथा ग्रीष्मकालीन शिविरों में भी भाग लेते रहना चाहिये।

④ सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम :-
(Inservice Training Programes)

अध्यापकों की व्यावसायिक वृद्धि हेतु समय-समय पर सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम, एस.सी.ई.आर.टी., एन.सी.ई.आर.टी., राज्य शिक्षा संस्थानों, शिक्षा महाविद्यालयों आदि विभिन्न सेवाओं तथा राज्य और केन्द्रीय सरकारों द्वारा आयोजित किये जाते रहते हैं। अध्यापक [illegible] भाग लेकर वांछित शिक्षण [illegible] के माध्यम [illegible]

Scanned with CamScanner

⑤ उच्च शिक्षा प्राप्ति (Getting Higher Education):

किसी भी अध्यापक को अपने विषय विशेष तथा उसके शिक्षण विधि (Pedagogy) में आगे की उच्च शिक्षा प्राप्त करने से अपनी व्यावसायिक वृद्धि के कार्य में उचित सहायता मिल सकती है।

⑥ प्रयोगीकरण एवं क्रियात्मक अनुसंधान :-
(Experimentation and Action Research)

अध्यापकों की व्यावसायिक वृद्धि में उनके द्वारा किये जाने वाले प्रयोगिक तथा अनुसंधानात्मक कार्यों का विशेष योगदान रहता है। इस दृष्टि से उन्हें अपने विद्यालयों में विभिन्न विषयों की प्रयोगशाला के उचित संगठन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इससे उनके स्वयं के प्रयोग प्रदर्शन कौशल में तो वृद्धि होगी ही साथ ही बालकों को भी इससे वांछित अभिप्रेरणा तथा बोध की प्राप्ति हो सकेगी।

⑦ विभिन्न अध्यापक अध्ययन समूह :-
(Inter-Subject Study Groups)

अध्ययन समूह, विचार विनिमय, अनुभवों को आपस में बाँटने तथा व्यवहारों, प्रयोगों एवं अनुसन्धान के परिणामों को कसौटी पर कसने में काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस दृष्टि से एक ही विद्यालय, शहर, जिला या प्रान्त के विद्यालयों में काम करने वाले विभिन्न विषय के अध्यापकों को इस प्रकार के अध्ययन समूहों के विभिन्न में संगठन करना चाहिये।

Scanned with CamScanner

⑧ विभिन्न विषयों के मैगजीन एवं जर्नल :
(Magazine and Journals of Different subjects)

विभिन्न विषयों के अध्यापकों की व्यावसायिक वृद्धि में विभिन्न विषय की पाठ्यवस्तु, शिक्षण विधि तथा शिक्षण व्यवहार से संबंधित मैगजीन एवं जर्नलों की भी बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। एक अध्यापक को अपनी उचित व्यावसायिक वृद्धि हेतु इन मैगजीन्स तथा जर्नलों से सदैव ही अच्छी तरह अवगत रहना चाहिए।

⑨ विभिन्न विषयों से संबंधित मार्गदर्शनात्मक सामग्री :
(Instructional Material of Different subjects)

दृश्य-श्रव्य सहायक सामग्री, जैसे- अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों एस.सी.ई.आर.टी., एन.सी.ई.आर.टी., राज्य शिक्षा संस्थानों तथा कई विदेशी दूतावासों आदि से उपलब्ध किया जा सकता है। इसके लिए अतिरिक्त इन्हें व्यापारिक संस्थानों बाजार से भी क्रय किया जा सकता है।

⑩ राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय विभिन्न शिक्षा संस्थान :
National and State Level Institutions of Different Subjects) :- विभिन्न विषय के अध्यापक की व्यावसायिक वृद्धि में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय संस्थानों का भी काफी महत्वपूर्ण योगदान रहता है। इस प्रकार के संस्थान दो प्रकार के होते हैं। एक तो [illegible] विषयों के अध्ययन, अनुसंधान या अनुप्रयोगों [illegible]

समाप्त